विद्यया ऽ मृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

CC-BY-NC-SA

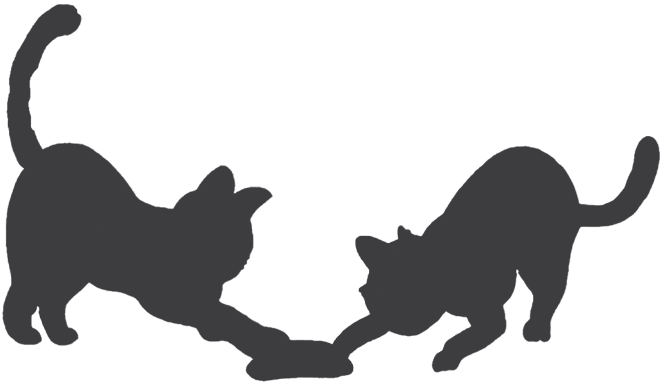

विद्ययाऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

कहानी कार्डों का उपयोग कैसे करें?

- बच्चों को प्रत्येक कार्ड दिखाएँ।
- बच्चों से सभी चित्रों का अवलोकन करने को कहें।
- कहानी को पाँच चित्र कार्डों के द्वारा दर्शाया गया है। चित्र कार्ड के पीछे की तरफ़ हिंदी व अंग्रेजी में कहानी दी गई है। अभिभावक व शिक्षक बच्चों को कहानी पढ़कर सुनाएँ।
- कहानी सुनाने के बाद बच्चों को चित्र कार्ड देकर प्रोत्साहित करें कि वे सभी चित्र कार्डों को कहानी के घटना-क्रम के अनुसार लगाएँ।

कहानी कार्ड बच्चों को कहानी की घटनाओं को उसी क्रम में रखने में मदद करेंगे, जिस क्रम में वे घटित हुई थीं। यह गतिविधि स्मरण-शक्ति और एकाग्रता को बढ़ाने में सहायक होगी।

CC-BY-NC-SA

विद्ययाऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

CC-BY-NC-SA

How to use story sequence cards?

- Show each picture card to the children.
- Ask the children to observe all the pictures.
- There are five picture cards for each story. The story has been given in Hindi and English on the back side of picture cards. The facilitator can read the story to children.
- After this, encourage the children to recall the story and arrange the picture cards in the correct sequence of events.

The story sequence cards will help children in putting the events of a story in the correct order in which they occurred. It enhances recalling and concentration of children.

CC-BY-NC-SA

विद्यया ऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

CC-BY-NC-SA

विद्यया ऽ मृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT

बंदर बाँट

एक बार की बात है, दो भूखी बिल्लियों ने एक साथ एक रोटी देखी। दोनों ने उस रोटी को खाने के लिए एक साथ झपट्टा मारा और दोनों बिल्लियाँ पूरी रोटी लेने के लिए लड़ने लगीं। बिल्लियों की यह लड़ाई पेड़ पर बैठा एक चतुर बंदर देख रहा था। बंदर पेड़ से उतरकर बिल्लियों के पास जाकर बोला, "मैं तुम दोनों में रोटी को बराबर बाँट कर तुम्हारी मदद कर सकता हूँ। फिर तुम दोनों ही इसको खा लेना।" बंदर रोटी को दो हिस्सों में काटकर तराज़ू के दोनों पलड़ों पर एक-एक हिस्से को रखता है। एक रोटी का हिस्सा बड़ा व दूसरा छोटा होता है। रोटी के हिस्से बराबर करने के लिए वह बड़ी रोटी का हिस्सा खा लेता है। अब बची हुई छोटी रोटी का हिस्सा देखकर बंदर बोलता है, "यही तुम्हारी लड़ाई की जड़ है तो इसलिए मैं इस रोटी को ही समाप्त कर देता हूँ।" फिर वह दूसरा बचा हुआ रोटी का हिस्सा भी खा जाता है। दोनों बिल्लियाँ सिर्फ़ देखती रह जाती हैं कि किस तरह पूरी रोटी खाने के पीछे लड़ाई करने के चक्कर में बंदर उन्हें बेवकूफ़ बनाकर चतुराई से पूरी रोटी खुद ही खा गया और उनके हिस्से कुछ भी खाने को नहीं आया।

CC-BY-NC-SA

विद्यया ऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

CC-BY-NC-SA

Bandar Baant

Once upon a time, two hungry cats noticed a chapati at the same time. They both jumped to get that chapati. Both the cats started fighting to eat the whole chapati. A clever monkey was watching their fight from the tree. The monkey came down and asked them, "I can help you both by dividing the chapati into two equal parts, so that both of you can eat it." The monkey divided the chapati into two parts and placed one part of the chapati on each side of the weighing scale. One part of the chapati was big and the other was small. To equalise the portions of the chapati, he eats the portion from the larger chapati. Now seeing the portion of the remaining small chapati, the monkey said, "This is the root cause of your fight, I will finish this chapati." Then he also ate the remaining part of the chapati. Both the cats just kept on watching. The monkey fooled them, and cleverly ate the entire chapati while the cats didn't get a share.

CC-BY-NC-SA

विद्यया ऽमृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT

CC-BY-NC-SA

विद्यया ऽ मृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT

निर्माण समिति

सदस्य

अनामिका, *जेपीएफ*

आशा, *जेपीएफ*

दीक्षा दिवान, *परामर्शदाता*

मरयम अय्यूब, *परामर्शदाता*

मीनाक्षी, *वरिष्ठ परामर्शदाता*

रूपल निमेष, *जेपीएफ*

विवेक मंडल, *ग्राफिक डिजाइनर*

श्वेता डोगरा, *जेपीएफ*

सान्या जैन, *इलस्ट्रेटर*

सदस्य समन्वयक

सुनीति सनवाल

प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष

प्रारंभिक शिक्षा विभाग, एनसीईआरटी

प्रकाशन सहयोग

अध्यक्ष, प्रकाशन प्रभाग	:	अनूप कुमार राजपूत
मुख्य उत्पादन अधिकारी	:	अरुण चितकारा
मुख्य व्यापार प्रबंधक	:	विपिन दिवान
मुख्य संपादक	:	श्वेता उप्पल
सहायक उत्पादन अधिकारी	:	ओम प्रकाश

CC-BY-NC-SA

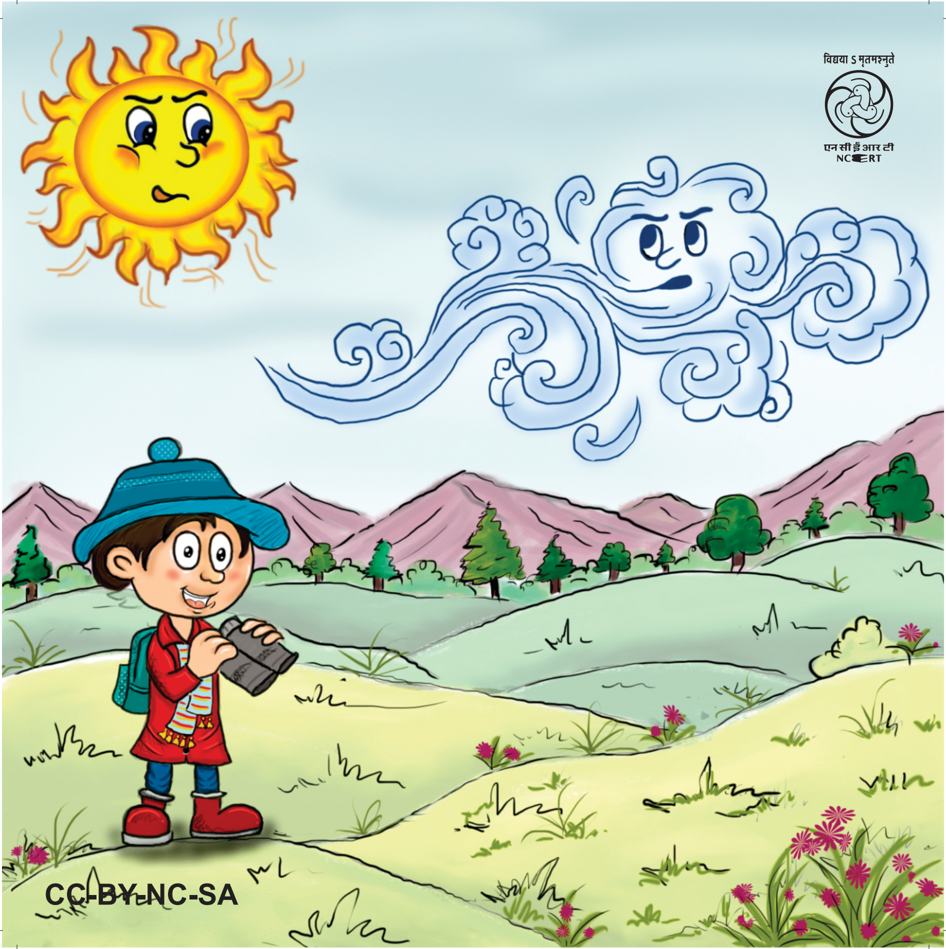

विद्यया ऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

CC-BY-NC-SA

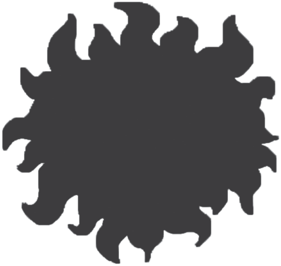

विद्यया ऽ मृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

कहानी कार्डों का उपयोग कैसे करें?

- बच्चों को प्रत्येक कार्ड दिखाएँ।
- बच्चों से सभी चित्रों का अवलोकन करने को कहें।
- कहानी को पाँच चित्र कार्डों के द्वारा दर्शाया गया है। चित्र कार्ड के पीछे की तरफ़ हिंदी व अंग्रेजी में कहानी दी गई है। अभिभावक व शिक्षक बच्चों को कहानी पढ़कर सुनाएँ।
- कहानी सुनाने के बाद बच्चों को चित्र कार्ड देकर प्रोत्साहित करें कि वे सभी चित्र कार्डों को कहानी के घटना-क्रम के अनुसार लगाएँ।

कहानी कार्ड बच्चों को कहानी की घटनाओं को उसी क्रम में रखने में मदद करेंगे, जिस क्रम में वे घटित हुई थीं। यह गतिविधि स्मरण-शक्ति और एकाग्रता को बढ़ाने में सहायक होगी।

CC-BY-NC-SA

CC-BY-NC-SA

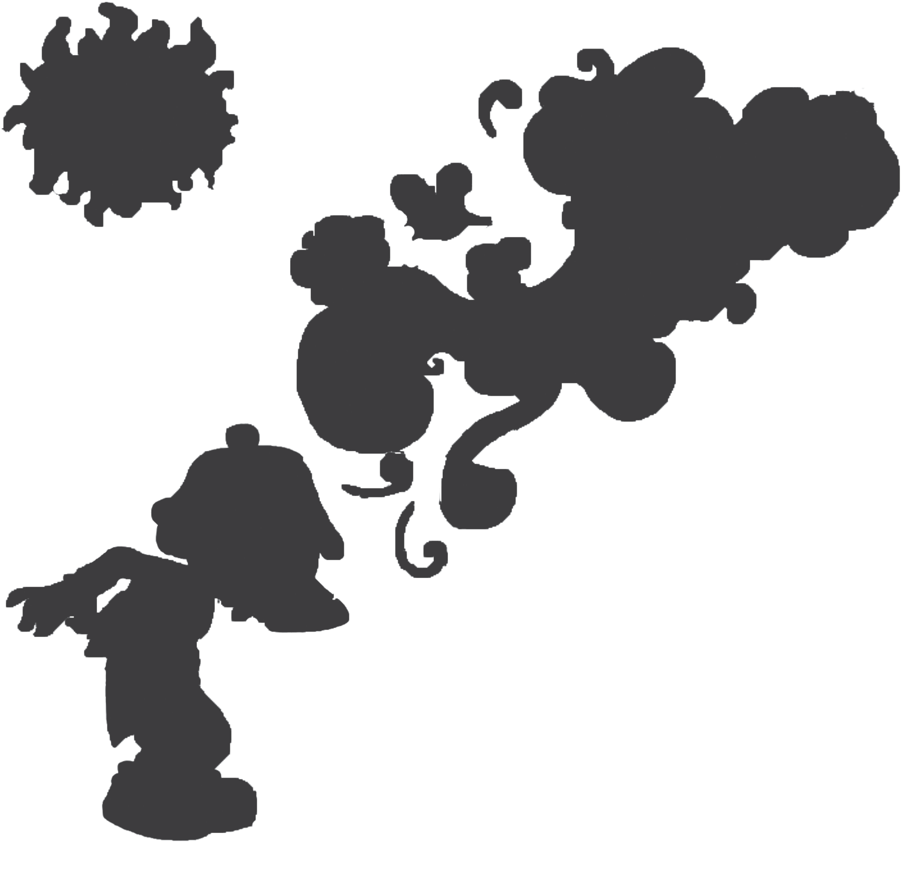

विद्यया ऽमृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT

How to use story sequence cards?

- Show each picture card to the children.
- Ask the children to observe all the pictures.
- There are five picture cards for each story. The story has been given in Hindi and English on the back side of picture cards. The facilitator can read the story to children.
- After this, encourage the children to recall the story and arrange the picture cards in the correct sequence of events.

The story sequence cards will help children in putting the events of a story in the correct order in which they occurred. It enhances recalling and concentration of children.

CC-BY-NC-SA

CC-BY-NC-SA

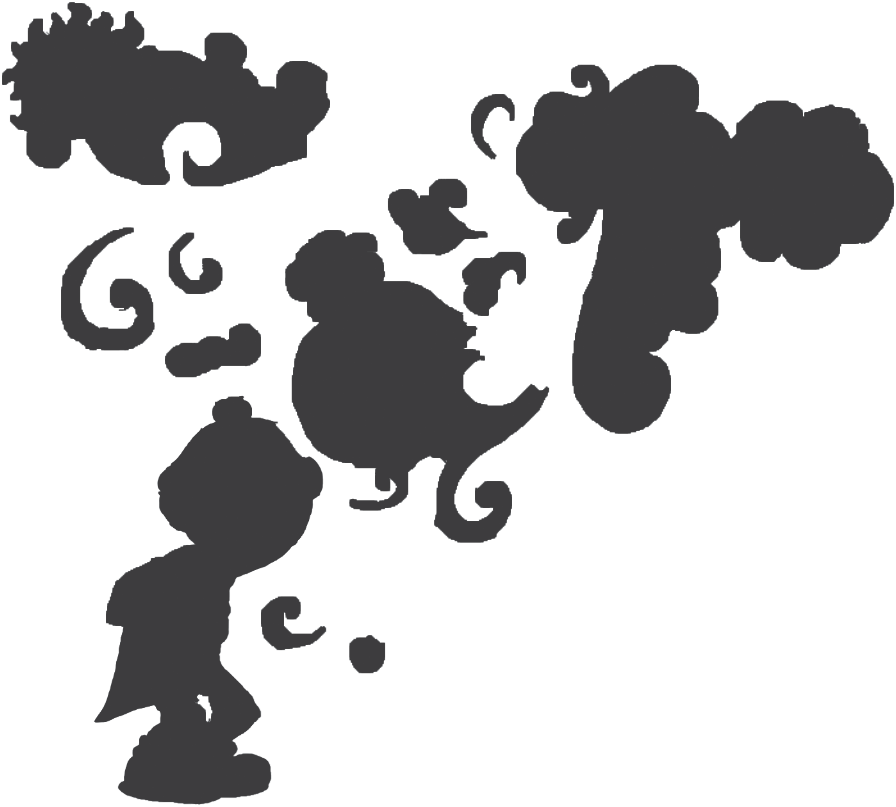

विद्यया ऽ मृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT

हवा और सूरज

एक समय की बात है, सूरज और हवा में यह बहस छिड़ गई कि उन दोनों में से कौन ज़्यादा शक्तिशाली है। हवा ने सूरज से कहा, "मैं तुमसे ज़्यादा शक्तिशाली हूँ।" "नहीं, तुम मुझसे अधिक शक्तिशाली नहीं हो", सूरज ने कहा। तभी उन्होंने देखा कि एक बच्चा आ रहा था। उसे देखकर हवा को एक तरकीब सूझी। उसने सूरज से कहा, "देखो, वह बच्चा आ रहा है, हम में से जो भी उसे उसका कोट उतारने पर विवश कर देगा, वही शक्तिशाली समझा जाएगा।" हवा बोली, "सबसे पहले मैं कोशिश करूँगी।" हवा बहुत ज़ोर से चलने लगी। मगर हवा जितनी तेज़ी से आती, बच्चा उतनी ही मज़बूती से अपना कोट अपने शरीर पर लपेट लेता, ताकि वह ठंड से बचा रहे। हवा बहुत देर तक तेज़ी से चलती रही और अंत में थक कर शांत हो गई।

सूरज ने कहा, "अब मेरी बारी है।" सूरज बादलों से बाहर निकलकर तेज़ी से चमकने लगा। बच्चा बोला, "ओह! कितनी गर्मी हो गई है।" बच्चे को चलते-चलते सूरज की तपन से पसीने आने लगे और फिर उसने कोट भी उतार कर फेंक दिया। यह देख हवा ने खामोशी से अपनी हार स्वीकार कर ली और सूरज को नमस्कार करके आगे बढ़ गई।

CC-BY-NC-SA

CC-BY-NC-SA

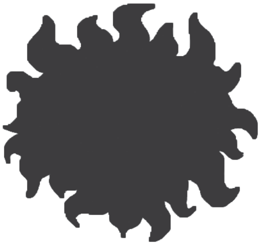

The Wind and the Sun

Once upon a time, an argument broke out between the Sun and the Wind as to which of the two was more powerful. The Wind said to the Sun, "I am more powerful than you." "No, you are not stronger than me", said the Sun. Then they saw a child coming. Seeing him, the Wind thought of an idea. The Wind said to the Sun, "Look, a child is coming, who so ever among us can force him to take off his coat, will be considered the strongest." The Wind said, "First I will try." The Wind started blowing very strongly. But the stronger the Wind blew, the more tightly the child wrapped the coat around his body, so that he would be protected from the cold. The Wind continued to blow very fast for a long time and finally became calm on getting tired.

Then the Sun said, "Now it is my turn." The Sun burst through clouds and shone brightly. The child got uncomfortable and said, "Oh! It is so hot." The child started sweating due to the heat of the Sun while walking and then he takes off his coat and throw it away. Seeing this, the Wind silently accepted its defeat and goes ahead after saluting the Sun.

CC-BY-NC-SA

विद्यया ऽ मृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT

CC-BY-NC-SA

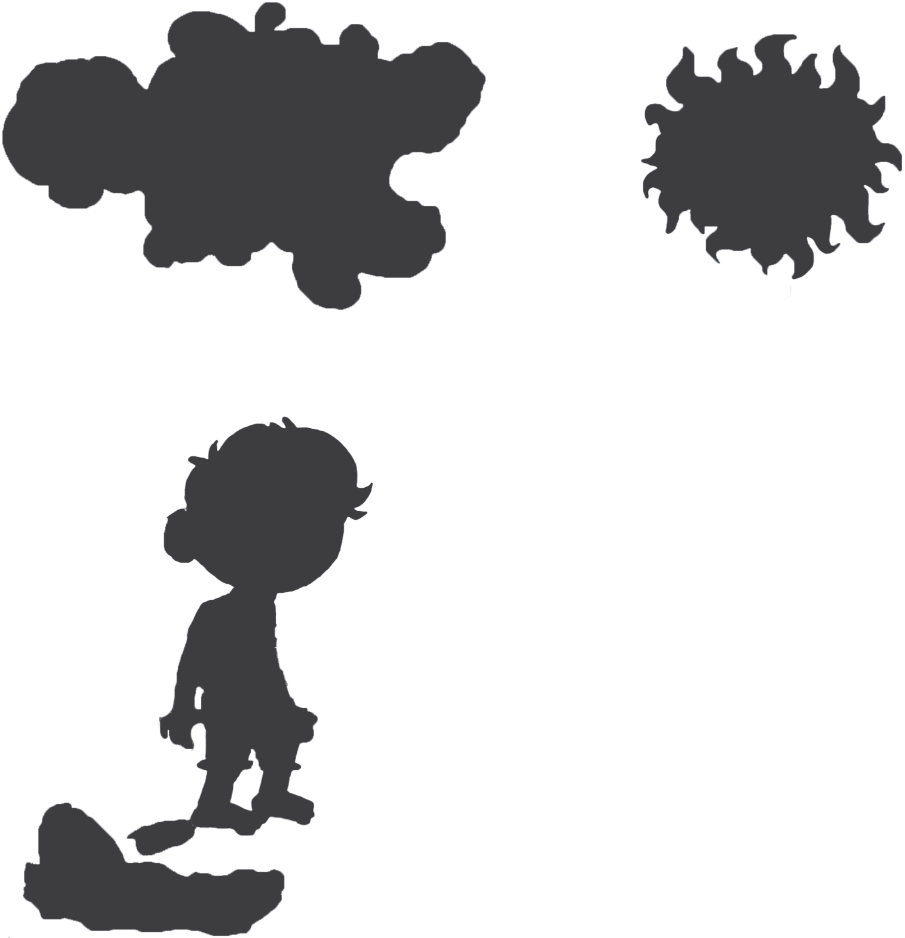

निर्माण समिति

सदस्य

अनामिका, *जेपीएफ*
आशा, *जेपीएफ*
दीक्षा दिवान, *परामर्शदाता*
पायल अग्रवाल, *इलस्ट्रेटर*
मरयम अय्यूब, *परामर्शदाता*
मीनाक्षी, *वरिष्ठ परामर्शदाता*
रूपल निमेष, *जेपीएफ*
विवेक मंडल, *ग्राफिक डिजाइनर*
श्वेता डोगरा, *जेपीएफ*

सदस्य समन्वयक

सुनीति सनवाल
प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष
प्रारंभिक शिक्षा विभाग, एनसीईआरटी

प्रकाशन सहयोग

अध्यक्ष, प्रकाशन प्रभाग	:	अनूप कुमार राजपूत
मुख्य उत्पादन अधिकारी	:	अरुण चितकारा
मुख्य व्यापार प्रबंधक	:	विपिन दिवान
मुख्य संपादक	:	श्वेता उप्पल
सहायक उत्पादन अधिकारी	:	ओम प्रकाश

CC-BY-NC-SA

विद्यया ऽमृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT

CC-BY-NC-SA

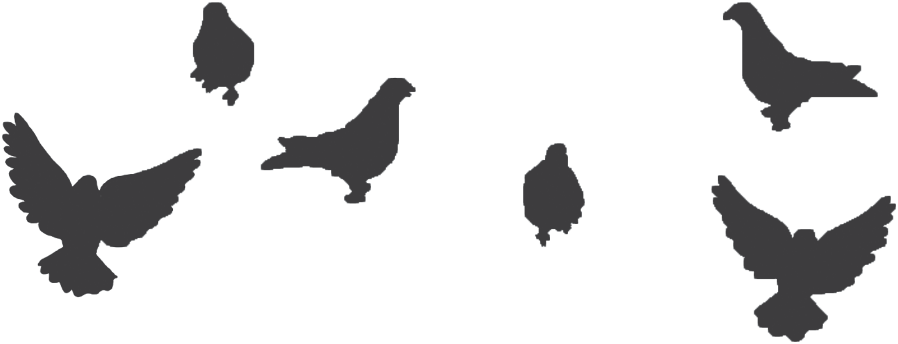

विद्ययाऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

कहानी कार्डों का उपयोग कैसे करें?

- बच्चों को प्रत्येक कार्ड दिखाएँ।
- बच्चों से सभी चित्रों का अवलोकन करने को कहें।
- कहानी को पाँच चित्र कार्डों के द्वारा दर्शाया गया है। चित्र कार्ड के पीछे की तरफ़ हिंदी व अंग्रेजी में कहानी दी गई है। अभिभावक व शिक्षक बच्चों को कहानी पढ़कर सुनाएँ।
- कहानी सुनाने के बाद बच्चों को चित्र कार्ड देकर प्रोत्साहित करें कि वे सभी चित्र कार्डों को कहानी के घटना-क्रम के अनुसार लगाएँ।

कहानी कार्ड बच्चों को कहानी की घटनाओं को उसी क्रम में रखने में मदद करेंगे, जिस क्रम में वे घटित हुई थीं। यह गतिविधि स्मरण-शक्ति और एकाग्रता को बढ़ाने में सहायक होगी।

CC-BY-NC-SA

CC-BY-NC-SA

How to use story sequence cards?

- Show each picture card to the children.
- Ask the children to observe all the pictures.
- There are five picture cards for each story. The story has been given in Hindi and English on the back side of picture cards. The facilitator can read the story to children.
- After this, encourage the children to recall the story and arrange the picture cards in the correct sequence of events.

The story sequence cards will help children in putting the events of a story in the correct order in which they occurred. It enhances recalling and concentration of children.

CC-BY-NC-SA

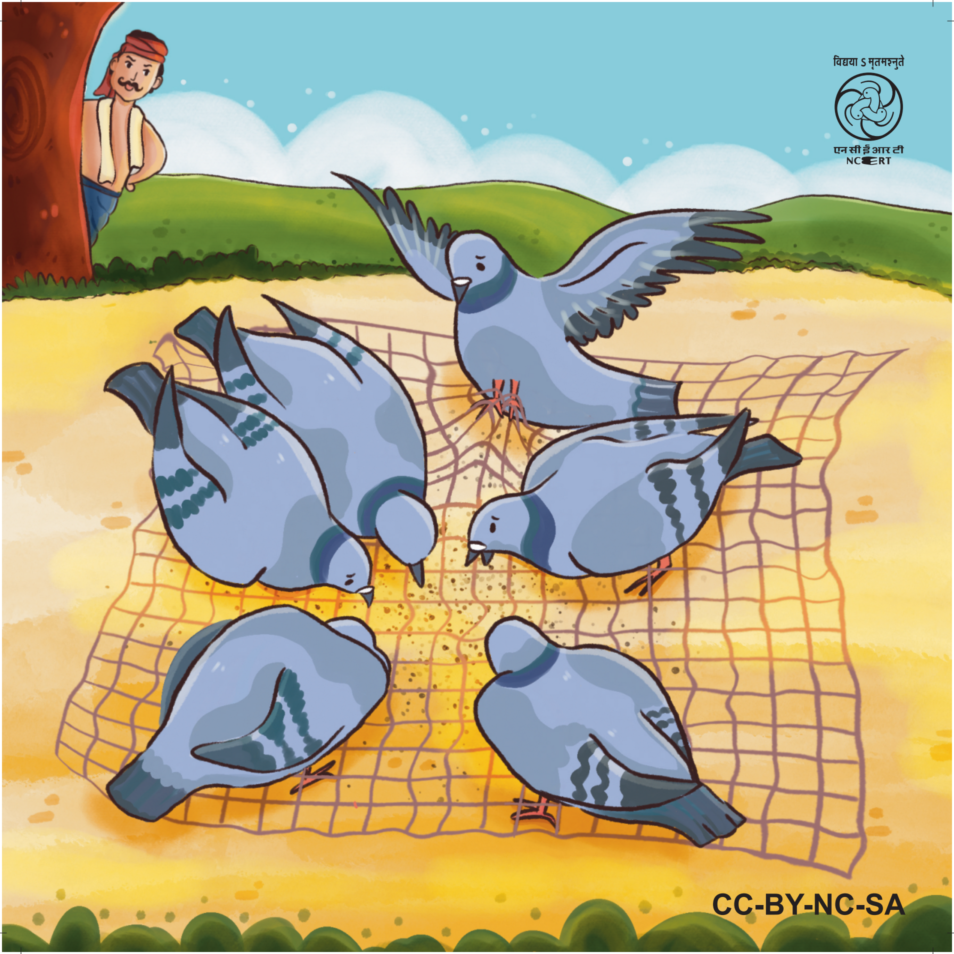

CC-BY-NC-SA

विद्यया ऽ मृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

कबूतर और शिकारी की कहानी

एक बार की बात है, एक पेड़ पर कबूतरों का एक झुंड रहता था। उसी पेड़ के तने में बिल बनाकर चूहे भी रहते थे। कबूतर और चूहे आपस में बहुत अच्छे मित्र थे। एक दोपहर कबूतर झुंड में खाने की तलाश में निकले। उड़ते समय कुछ कबूतरों ने ज़मीन पर गेहूँ के कुछ दाने बिखरे हुए देखे। एक कबूतर बोला, "चलो खाना मिल गया, खाने चलते हैं।"

एक समझदार कबूतर को कुछ गड़बड़ लगी क्योंकि आस-पास कोई खेत नहीं था। उसने सबको जाने से भी रोका। सबने उसकी बात को अनसुना किया और दाना खाने के लिए नीचे चले गए। जैसे ही कबूतर नीचे जाकर गेहूँ के दाने खाने लगे वैसे ही उन्होंने अपने आप को शिकारी के जाल में फँसा पाया और सोचा कि वह समझदार कबूतर सही बोल रहा था। फिर से उस समझदार कबूतर ने सुझाव दिया कि अगर आप सब एक साथ उड़ें तो यहाँ से इस जाल के साथ निकल सकते हैं। इस बार सबने उसकी (समझदार कबूतर) बात मानी और यही किया। जैसे ही सभी कबूतर एक साथ उड़ने लगे, शिकारी उन्हें रोकने आया। मगर सभी कबूतर उस जगह से निकल गए और अपने घर की तरफ़ पहुँचे, वहाँ कबूतरों के मित्र चूहे भी आ गए। चूहों ने कबूतरों का जाल काटा और उन्हें जाल से मुक्त कर दिया।

CC-BY-NC-SA

विद्यया ऽ मृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

CC-BY-NC-SA

विद्यया ऽ मृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT

The Pigeon and the Hunter Story

Once upon a time, there lived a flock of pigeons on a tree. Rats also used to live in the trunk of the same tree by making burrows. The pigeons and the rats were very good friends. One afternoon, the pigeons went out in search of food in flocks. While flying, some pigeons saw some grains of wheat scattered on the ground. A pigeon said, "Look there is food, let us go and eat it."

A wise pigeon felt something suspicious because there was no field around. He also stopped everyone from going there. Everyone ignored his suspicion and flew towards wheat. As soon as they flew down and started eating the grains, they found themselves trapped in a hunter's net and realised that the wise pigeon was right. Again, the wise pigeon suggested that if you all fly together, you can fly away with this net. This time everyone obeyed the wise pigeon and did the same. The hunter came to stop them from flying. But all the pigeons flew away from that place and reached their home (the tree). There, they met their friends (the rats) and requested them to help them. The rats cut the net with their sharp teeth and freed the pigeons from the net.

CC-BY-NC-SA

विद्याऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

CC-BY-NC-SA

विद्यया ऽ मृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT

निर्माण समिति

सदस्य

अनामिका, *जेपीएफ*

आशा, *जेपीएफ*

दीक्षा दिवान, *परामर्शदाता*

मरयम अय्यूब, *परामर्शदाता*

मीनाक्षी, *वरिष्ठ परामर्शदाता*

रूपल निमेष, *जेपीएफ*

विवेक मंडल, *ग्राफिक डिजाइनर*

श्वेता डोगरा, *जेपीएफ*

सान्या जैन, *इलस्ट्रेटर*

सदस्य समन्वयक

सुनीति सनवाल

प्रोफेसर एवं *विभागाध्यक्ष*

प्रारंभिक शिक्षा विभाग, एनसीईआरटी

प्रकाशन सहयोग

अध्यक्ष, प्रकाशन प्रभाग	:	अनूप कुमार राजपूत
मुख्य उत्पादन अधिकारी	:	अरुण चितकारा
मुख्य व्यापार प्रबंधक	:	विपिन दिवान
मुख्य संपादक	:	श्वेता उप्पल
सहायक उत्पादन अधिकारी	:	ओम प्रकाश

CC-BY-NC-SA